विदेशों में सूचना-केन्द्रों की स्थापना

4098. **श्री प्रमोद महाजन:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार पर्यटन का विकास करने के लिए विदेशों में सूचना-केन्द्रों की स्थापना करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि कई देश पर्यटन के विकास के लिए विभिन्न देशों के संचार माध्यमों का सहारा ले रहे हैं;

(घ) यदि हाँ, तो इस दिशा में सरकार द्वारा किये गये प्रयासों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार विदेशों में सूचना-केन्द्रों को खोलकर पर्यटकों को किस तरह से आकृष्ट करने का विचार रखती है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) और (ख) इस समय, पर्यटन का संवर्धन करने के लिए, पर्यटन विभाग के विदेशों में 18 भारत सरकार पर्यटक कार्यालय हैं।

(ग) जी, हाँ।

(घ) इस समय संचार तकनालाजी का इस्तेमाल कम्प्यूटरीकृत आरक्षण पद्धतियां (सी०आर०एस०) स्थापित करने के लिए किया जा रहा है और सी० डी-आर० ओ० एम० (काम्पैक्ट डिस्क-रीड ओनली मैमरी) में देशों के प्रौफाइल तैयार किए जा रहे हैं। यूरोपीय कम्प्यूटरीकृत आरक्षण पद्धति अमेडियस को भारत में स्थापित किया जा चुका है। पर्यटक स्थलों की जानकारी वाले सी० डी-आर० ओ० एम० भी उपलब्ध हैं।

(ङ) पर्यटन विभाग प्रचार सामग्री जैसे सूचना ब्रोकर, फोल्डर फिल्में, पर्यटक मानचित्र आदि तैयार करता है, जो विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित किए जाते हैं और भारत तथा विदेश स्थित भारत सरकार के पर्यटक कार्यालयों के माध्यम से वितरित कराये जाते हैं। डाक से और विभिन्न स्थानों पर भारत सरकार के पर्यटक कार्यालयों के काउन्टरों के माध्यम से भी पर्यटक सूचना मुहैया कराई जाती है। विदेश स्थित भारत सरकार के पर्यटक कार्यालय प्रमुख प्रदर्शनों और प्रदर्शनियों में सक्रियता पूर्वक भाग लेते हैं। वे "नो इंडिया सेमिनार" (भारत को जानो सेमिनार) आयोजित करते हैं। ये मार्केट का जायजा लेने के लिए भारतीय मिशनों, यात्री व्यवसाय और मीडिया के साथ घनिष्ठ सम्पर्क बनाये रखते हैं और उसके अनुसार ही भारत के संवर्धन और विपणन के लिए समग्र नीति की योजना बनाते हैं।

Status of Tourism as an Export Oriented Industry

4099. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether the FICCI has recently suggested in its position paper on Tourism that tourism should be made a Central subject and should be accorded the status of an export-oriented industry;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what is the reaction of Government in the matter?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) In a position paper prepared by the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) it has been suggested that tourism may be made a Central subject as it is a national product and not limited to a particular State. It has been further suggested that tourism should be accorded the status of an export-oriented industry.

(c) The present arrangement is working satisfactorily.

Foreign Exchange outgo through Foreign Airlines

4100. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem which appeared in the "Financial Express", New Delhi dated the 1st August, 1994 under the caption "Foreign Airlines fly Indians: repatriate Rupees 2,000 crore";

(b) if so, the details and the reaction of government thereto;

(c) the reasons for the nation carriers,

Indian Airlines and Air-India not sharing the increasing flow of traffic, particularly the Non-resident Indians into the country; and

(d) what steps have been or are being taken to check foreign exchange outgo particularly by off-line foreign carriers?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) Yes, Sir.

(b) Operating rights to foreign airlines are granted under bilateral Air Services Agreements on the basis of reciprocity, keeping in view the requirements of Tourism, Travel and International Trade. Repatriation of earning is also a reciprocal facility provided for in such Agreements with the respective countries.

(c) The designated carriers of India are presently not in a position to utilise fully their traffic rights due to operational constraints and commercial reasons.

(d) The policy in regard to repatriation of earnings by offline carriers is under review.

Share of Air India in foreign travel business

4101. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what is the total share of our National carrier, Air India, in the foreign travel business generated in India and the figures of Air India business in India during the last three years;

(b) what is the business generated by Air India outside India during the last three years sector-wise; and

(c) what are the reasons for fall in Air India business, both in India and outside India?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

(b) The business generated by Air India outside India from 1990-91 to 1992-93 was as follows:—

	(Rs. in crores)
1990-91	924.53
1991-92	1189.39
1992-93	1430.50

(Sector-wise data is not available)

(c) There has been no fall in Air India's business outside India. Regarding busines in India, information is being collected and will be laid on the Table of the House.

देश में होटलों/रेस्टोरेंट का खोला जाना

4102. **श्री रामजी लाल:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वर्ष के दौरान सरकार ने देश मे कुल कितने होटल/रेस्टोरेंट खोले हैं;

(ख) क्या सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को विशेष अनुदान दे रही है; यदि हाँ, तो चालू वर्ष के लिए उसका राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इससे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किस हद तक मदद मिलेगी और उसका क्या ब्यौरा है; और

(घ) इससे विशेषकर हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु कितनी मदद मिलेगी?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) चालू वर्ष यानी 1994-95 के दौरान, भारत पर्यटन विकास निगम ने देश में किसी नए होटल/रेस्तरां का निर्माण नहीं किया है।

(ख) से (घ) पर्यटन के संवर्धन की दृष्टि से केन्द्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों को जिनमें हरियाणा भी शामिल है, उनसे प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों के आधार पर विभिन्न पर्यटक केन्द्रों में, विभिन्न स्कीमों के अन्तर्गत (जैसे कि यात्री निवास, पात्रिका, मार्गस्थ सुख-सुविधाओं आदि) आधारभूत सुविधाओं के सुधार हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करती रही है। तथापि 1994-95 के दौरान, अब तक किसी नई परियोजना के बारे में कोई धन जारी नहीं नहीं किया गया है।